माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा–2026

ऋग्वेदः (44) / शुक्लयजुर्वेदः (45) / कृष्णयजुर्वेदः (46) / सामवेदः (47) / अथर्ववेदः (48) / ज्योतिष–शास्त्र (90) / सामुद्रिकशास्त्र (91) / वास्तुविज्ञान (92) / पौरोहित्यशास्त्र (93) / सामान्य विज्ञान (56)

केन्द्राधीक्षकों, विषयाध्यापकों व परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रायोगिक परीक्षा प्रत्येक दल **(बैच)** में परीक्षार्थियों की संख्या 5–10 के बीच होनी चाहिए।
2. प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है।
3. केन्द्राधीक्षक प्रायोगिक परीक्षा के लिए मण्डल निर्माण आदि सामग्री की व्यवस्था पूर्व से ही रखेंगें। उक्त कार्य सम्बन्धित विषयाध्यापक की देख रेख में हों। ऐसा न होने की स्थिति में केन्द्राधीक्षक उत्तरदायी होंगे।
4. प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक द्वारा सम्पन्न होगा।
5. मौखिक परीक्षा के प्रश्न सैद्धान्तिक, पाठ्यपुस्तक तथा पाठ्यक्रम से ही पूछे जा सकेंगे।
6. अंक वितरण एवं अनुक्रमांक पत्र परीक्षा से पहले तैयार करके रखें।
7. प्रायोगिक परीक्षा में बोर्ड कार्यालय द्वारा प्रेषित अंक योजना के आधार पर पाठ्यपुस्तक से मुख्य एवं गौण कार्यों के प्रश्न बनायेंगे।
8. प्रायोगिक अभिलेख पर विषय से सम्बन्धित अध्यापक के हस्ताक्षर आवश्यक हैं। उक्त अभिलेख पर आदि व अन्त में आन्तरिक परीक्षक के हस्ताक्षर होंगे।
9. परीक्षा के समय अभिभावक या अन्य व्यक्ति परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित न रहें।
10. जिन विद्यालयों में वेद / पौरोहित्य / ज्योतिष विषय के अध्यापक नियुक्त नहीं है, वहां पर आन्तरिक परीक्षक के रूप में समीपस्थ विद्यालय से विषयाध्यापक नियुक्त किये जा सकते हैं।
11. प्रायोगिक परीक्षा के समय छात्र निर्धारित गणवेश में ही रहेंगे।
12. **आवश्यक सामग्री (वस्तु) का संकलन :– जो पाठ्यपुस्तक में हो।**
    1. मण्डल निर्माण सामग्री
    2. पूजन सामग्री
    3. षोडशोपचार सामग्री
    4. पुण्याहवाचन तथा कलशस्थापन सामग्री
    5. विषय से सम्बन्धित चार्ट / मॉडल्स इत्यादि का निर्माण कर लाया जा सकता है।
    6. हवन सामग्री
    7. यज्ञ कुण्ड सामग्री
    8. नान्दी श्राद्ध हेतु सामग्री
    9. पंचाग
    10. जन्म पत्रिका / जन्माक्षर लेखन पुस्तिका (रिक्त)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा–2026

ऋग्वेदः

विषय कोड–44

(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् पूर्णाक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

---

1. प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य) 05
   ऋग्वेदीय–पाठ्यक्रमानुसारम्

2. लिखित–परीक्षा 15
   (क) ऋग्वेदीय ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयानुरूपं लाजाहोममन्त्रान् सावित्र्युपदेशप्रकारं च लिखत। 07
   (ख) ऋग्वेदीयपुण्याहवाचनमन्त्रान् सस्वरं लिखत। 08

3. मौखिक–परीक्षा 10
   (क) प्रथममण्डलस्य 33 तः 60 सूक्तेषु कानिचन पंचसूक्तानि सस्वरं श्रावयत। 5
   (ख) कुशकण्डिकाविधिं सप्रयोगं स्पष्टयत। 5

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा 2026

शुक्लयजुर्वेदः
विषय कोड–45
(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् | पूर्णांक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

---

1. प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य) 05
   शुक्लयजुर्वेदीय–पाठ्यक्रमानुसारम्

2. लिखित–परीक्षा 15
   (क) ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयानुरूपं मधुपर्कमन्त्रान् यज्ञोपवीतधारणविधिं च लिखत। 07
   (ख) शुक्लयजुर्वेदीयपुण्याहवाचनमन्त्रान् सस्वरं लिखत। 08

3. मौखिक–परीक्षा 10
   (क) षष्ठाध्यायतः नवमाध्यायेषु कांश्चन विंशमन्त्रान् सस्वरं श्रावयत। 05
   (ख) कुशकण्डिकाविधिं सप्रयोगं स्पष्टयत। 05

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा–2026

कृष्णयजुर्वेदः

विषय कोड–46

(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् पूर्णांक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

1.	प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य) कृष्णयजुर्वेदीय–पाठ्यक्रमानुसारम्	05
2.	लिखित–परीक्षा	15
	(क) आपस्तम्बगृह्यसूत्रानुरूपं वरार्चनविधिं वासपरिधानमन्त्रं च लिखत।	07
	(ख) कृष्णयजुर्वेदीयपुण्याहवाचनमन्त्रान् सस्वरं लिखत।	08
3.	मौखिक–परीक्षा	10
	(क) तैत्तिरीय–उपनिषदः विंशमन्त्रान् सस्वरं श्रावयत।	05
	(ख) कुशकण्डिकाविधिं सप्रयोगं स्पष्टयत।	05

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा–2026

सामवेदः

विषय कोड–47

(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् पूर्णांक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

---

1. प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य) 05
   सामवेदीय–पाठ्यक्रमानुसारम्

2. लिखित–परीक्षा 15
   (क) आपस्तम्बीयब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयानुरूपं सप्तपदीवाक्यानि ब्रह्मचारिणो नियमान् च लिखत। 07
   (ख) सामवेदीयपुण्याहवाचनमन्त्रान् सस्वरं विलिखत। 08

3. मौखिक–परीक्षा 10
   (क) पवमानकाण्डस्य केचन विंशमन्त्राः सस्वरं वाचनीयाः। 05
   (ख) कुशकण्डिकाविधिं सप्रयोगं स्पष्टयत। 05

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा–2026

अथर्ववेदः

विषय कोड–48

(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् | पूर्णांक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

1.	प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य) अथर्ववेदीय–पाठ्यक्रमानुसारम्	05
2.	लिखित–परीक्षा	15
	(क) अथर्ववेदीयग्रहशान्तिपद्धत्यनुरूपं नवग्रहमन्त्रान् वरुणकलशस्वरूपं च लिखत।	07
	(ख) अथर्ववेदीयपुण्याहवाचनमन्त्रान् सस्वरं लिखत।	08
3.	मौखिक–परीक्षा	10
	(क) अथर्वसंहितायाः 12तमस्य काण्डस्य केचन विंशमन्त्राः सस्वरं वाचनीयाः।	05
	(ख) कुशकण्डिकाविधिं सप्रयोगं स्पष्टयत।	05

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा–2026

ज्योतिषशास्त्रम्

विषय कोड–90

(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् | पूर्णांक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

1. प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य)	05
ज्योतिषशास्त्रीय–पाठ्यक्रमानुसारम्	
2. लिखित–परीक्षा	15
(क) जन्मपत्रिकानिर्माणे षड्वर्गसंबंधिनः प्रश्नाः	08
(ख) विविध–मुहूर्त्त–निर्माणप्रश्नाः	07
3. मौखिक–परीक्षा	10
(क) पाठ्यपुस्तकाधारेण यात्राप्रकरणस्य मौखिक–परीक्षणम्	05
(ख) जन्मपत्रनिमार्णस्य षड्वर्गाणां मौखिकज्ञानम्, जन्मकुण्डली–आधारेण मुहूर्त्तज्ञानम् च।	05

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा–2026

सामुद्रिकशास्त्रम्
विषय कोड–91
(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् | पूर्णांक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

---

1. प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य)	05
सामुद्रिकशास्त्रीय–पाठ्यक्रमानुसारम्	
2. लिखित–परीक्षा	15
(क) सामुद्रिकशास्त्रानुसारं चक्राणि वर्णयत।	08
(ख) सामुद्रिकशास्त्रानुसारं गात्रलक्षणानि लिखत।	07
3. मौखिक–परीक्षा	10
सामुद्रिकशास्त्रीय–पाठ्यक्रमानुसारं प्रश्नाः प्रष्टव्याः	10

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय प्रायोगिक परीक्षा–2026

वास्तुविज्ञानम्

विषय कोड–92

केन्द्राधीक्षकों, विषयाध्यापकों व परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रायोगिक परीक्षा प्रत्येक दल (बैच) में परीक्षार्थियों की संख्या 5–10 के बीच होनी चाहिए।
2. प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है।
3. केन्द्राधीक्षक प्रायोगिक परीक्षा के लिए मण्डल निर्माण आदि सामग्री की व्यवस्था पूर्व से ही रखेंगें। उक्त कार्य सम्बन्धित विषयाध्यापक की देख रेख में हों। ऐसा न होने की स्थिति में केन्द्राधीक्षक उत्तरदायी होंगे।
4. प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक द्वारा सम्पन्न होगा।
5. मौखिक परीक्षा के प्रश्न सैद्धान्तिक एवं पाठ्यपुस्तक से ही पूछे जा सकेंगे।
6. अंक वितरण एवं अनुक्रमांक पत्र परीक्षा से पहले तैयार करके रखें।
7. प्रायोगिक परीक्षा में बोर्ड कार्यालय द्वारा प्रेषित अंक योजना के आधार पर पाठ्यपुस्तक से मुख्य एवं गौण कार्यों के प्रश्न बनायेंगे।
8. प्रायोगिक अभिलेख पर विषय से सम्बन्धित अध्यापक के हस्ताक्षर आवश्यक हैं। उक्त अभिलेख पर आदि व अन्त में आन्तरिक परीक्षक के हस्ताक्षर होंगे।
9. परीक्षा के समय अभिभावक या अन्य व्यक्ति परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित न रहें
10. जिन विद्यालयों में वास्तुविज्ञान के अध्यापक नियुक्त नहीं है, वहां पर आन्तरिक परीक्षक के रूप में समीपस्थ विद्यालय से विषयाध्यापक नियुक्त किये जा सकते हैं।
11. प्रायोगिक परीक्षा के समय छात्र निर्धारित गणवेश में ही रहेंगे।
12. **आवश्यक सामग्री (वस्तु) का संकलन :– जो पाठ्यपुस्तक में हो।**
    1. मण्डल निर्माण सामग्री
    2. शिलान्यास पूजन सामग्री
    3. षोडशोपचार सामग्री
    4. पुण्याहवाचन सामग्री
    5. विषय से सम्बन्धित चार्ट/मॉडल्स इत्यादि का निर्माण कर लाया जा सकता है।
    6. पंचाग

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय –प्रायोगिक–परीक्षा–2026

वास्तुविज्ञानम्
विषय कोड–92
(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् पूर्णांक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

---

1. प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य) 05
वास्तुविज्ञान–पाठ्यक्रमानुसारम्

2. लिखित–परीक्षा 15
   (क) भूमिपरिचयलक्षणानि वर्णयत। 08
   (ख) शिलान्यास–पद्धतिं विवेचयत। 07

3. मौखिक–परीक्षा 10
वास्तुविज्ञान–पाठ्यक्रमानुसारं प्रश्नाः प्रष्टव्याः
(क) दिवा रात्रौ च दिग्ज्ञान–प्रकारकाः प्रश्नाः। 05
(ख) भूमि–परीक्षणविचाराणां सप्रायोगिक–विवेचन–प्रश्नाः। 05

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय –प्रायोगिक–परीक्षा–2026

पौरोहित्यशास्त्रम्

विषय कोड–93

(प्रायोगिकपरीक्षायाः अंकविभाजनं पाठ्यक्रमश्च)

समय :– होरात्रयम् | पूर्णांक :– 30

सामान्यनिर्देशा :–

1 प्रायोगिकपरीक्षा दश–दश छात्राणां समूहे भवितव्या।
2 अंकप्रदानसमये परीक्षकैः छात्राणां मानसिकयोग्यता परीक्षणीया।
3 आदर्शप्रश्नपत्राधारेण परीक्षकैः स्वयमेव प्रश्नपत्रं निर्मापणीयम्।
4 प्रत्येकं परीक्षार्थिना प्रायोगिककार्यद्वयं संपादनीयम्।
5 प्रायोगिकपरीक्षायोजनं निम्नांकितपाठ्यक्रमानुसारेण भवितव्यम्।

---

1. प्रायोगिकम् – पंजिकायां प्रायोजनाकार्यम् (प्रोजेक्ट कार्य) 05
   पौरोहित्यशास्त्रीय–पाठ्यक्रमानुसारम्

2. लिखित–परीक्षा 15
   (क) संस्काराणां प्रयोगज्ञानविषयकं निबन्धं लिखत। 07
   (ख) अग्निसंस्कारमन्त्रान् दशगात्रप्रयोगमन्त्रान् च लिखत। 08

3. मौखिक–परीक्षा 10
   पौरोहित्य–पाठ्यक्रमानुसारं प्रश्नाः प्रष्टव्याः।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय सामान्य विज्ञान प्रायोगिक परीक्षा–2026 (कोड–56)

सामान्य निर्देशः–

1. प्रायोगिक परीक्षा की तिथियों का निर्धारण हो जाने पर यथा संभव लगभग एक सप्ताह पूर्व सूचना बोर्ड को फैक्स सं0 0145–2426994, नियंत्रण कक्ष के दूरभाष 0145–2620739 पर तथा संबधित जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय को फैक्स/दूरभाष से आवश्यक रूप से सूचित करें। यह सूचना परीक्षक एवं शाला प्रधान दोनों को आवश्यक रूप से देनी है। जिला शिक्षा अधिकारी के दूरभाष/फैक्स नम्बर शाला प्रधान से ले लेवें। परीक्षा पूर्ण होने पर बोर्ड नियंत्रण कक्ष को सूचना दी जावे। यह अत्यन्त आवश्यक है, अन्यथा ऐसी स्थिति में शाला प्रधान व परीक्षक दोनों की जिम्मेदारी रहेंगे।
2. **उपस्थिति पत्रकः**– प्रत्येक परीक्षा आयोजन के दिन परीक्षार्थियों से उपस्थिति पत्रक पर आवश्यक रूप से हस्ताक्षर करवावे। यह उपस्थिति विषयवार प्रत्येक विषय की परीक्षा आयोजन दिवस को करवाई जावे।
3. प्रायोगिक परीक्षाऐं संबंधित शाला प्रधान परीक्षक से लेब क्षमतानुसार निर्धारित अवधि में आयोजित करवा लें।
4. प्रायोगिक परीक्षा के समय प्रयोगशाला में परीक्षक व प्रयोगशाला सहायक व प्रयोगशाला सेवक के अलावा अन्य कोई व्याख्याता/अध्यापक/बाहरी व्यक्ति उपस्थित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जावे। यदि विद्यालय में पद रिक्त हो तो जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) से सम्पर्क कर अथवा संस्था प्रधान द्वारा स्थानीय स्तर पर व्यवस्था कर लें।
5. विद्यालय में आयोजित प्रायोगिक परीक्षा के दौरान किसी परीक्षार्थी के नियत तिथि/समय पर अपरिहार्य कारणों से अनुपस्थित रहने पर यदि शालाप्रधान उसके कारण से संतुष्ट है तो उसकी प्रायोगिक परीक्षा उसी परीक्षक द्वारा विद्यालय में लिये जा रहे अन्य बैच के साथ शाला प्रधान की अनुमति से करवाई जा सकती है। सभी परीक्षार्थियों को स्पष्ट अवगत करा दें कि नियत बैच/दिनांक/समय को परीक्षा हेतु उपस्थित होना आवश्यक है, अन्यथा ऐसी स्थिति में अनुपस्थित मानकर परिणाम जारी कर दिया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी परीक्षार्थी की होगी। किसी परीक्षार्थी की अन्य विद्यालय में परीक्षा आयोजित नहीं करवाई जा सकती है। शाला प्रधान अपने स्तर पर इसकी अनुमति नहीं दे।
6. प्रायोगिक परीक्षा आयोजन पूर्व परीक्षक विवरणिका में संबंधित विषय के पाठ्यक्रम, अंकयोजना, परीक्षा की अवधि आदि को ध्यान में रखते हुए ही कुशलतापूर्वक सम्पन्न करावें।
7. शाला प्रधान स्वयं भी प्रायोगिक परीक्षाओं का निरन्तर पर्यवेक्षण कर सुनिश्चित करें कि परीक्षाऐं नियमानुसार विधिवत निष्पक्ष सम्पन्न हो रही है।
8. प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित उत्तर पुस्तिकाऐं, OMR के पर्ण/प्रतिपर्ण व अन्य सामग्री निम्न प्रकार के सीधे बोर्ड के निदेशक (गोपनीय) के नाम निम्न प्रकार भेजे :–
    1. लिफाफा संख्या 18 (C) में OMR के पर्ण व लिफाफा संख्या 19 (C) में OMR के प्रतिपर्ण एवम् लिफाफा संख्या 15 उपस्थिति विवरण पत्र, कच्चे अंक (Details Marks) व परीक्षक प्रतिवेदन रखकर अधिकतम 03 दिवस में निदेशक (गोपनीय) को सीधे भेजें अथवा परीक्षक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के पश्चात् अंकों को यथाशीघ्र Online Upload करना सुनिश्चित करेंगे।
    2. अंतिम परीक्षा के बाद अधिकतम 07 दिवस में उत्तर–पुस्तिका बंडल रजिस्टर्ड पार्सल से निर्धारित प्रपत्र चिपकाकर/पूर्ति कर भेजें। इसे संग्रहण केन्द्र पर जमा कराने का इन्तजार नहीं करे।

वरिष्ठ उपाध्याय सामान्य विज्ञान प्रायोगिक परीक्षा–2026

संस्कृत शिक्षा

कक्षा – वरिष्ठ उपाध्याय

सामान्य विज्ञान प्रायोगिक परीक्षा पाठ्यक्रम/मूल्यांकन

समय–4.00 घण्टे | अधिकतम अंक–30

1.	एक वृहद प्रयोग– भौतिक विज्ञान	8
2.	एक वृहद प्रयोग– रसायन विज्ञान	8
3.	एक वृहद प्रयोग– जीव विज्ञान	8
4.	रिकॉर्ड	4
5.	मौखिक	2
	योग	30

प्रायोगिक कार्य
भौतिक विज्ञान

वृहद प्रयोग

1 अर्द्ध विक्षेप विधि से गैल्वेनोमीटर का आंतरिक प्रतिरोध ज्ञात करना।

2 एक विभवमापी की सहायता से दिए गए प्राथमिक सेलों के विद्युत वाहक बलों की तुलना करना।

3 मीटरसेतु की सहायता से एक तार के पदार्थ का विशिष्ट प्रतिरोध ज्ञात करना।

4 विभवमापी की सहायता से किसी प्राथमिक सेल का आंतरिक प्रतिरोध ज्ञात करना।

5 अग्र अभिनति P-N संधि डायोड के अभिलाक्षणिक वक्र खींचना।

6 एक प्रतिरोध तार के लिये विभवान्तर तथा धारा के मध्य ग्राफ खींचकर तार की प्रतिरोधकता ज्ञात करना।

7 एक छड़ चुम्बक द्वारा क्षेत्र रेखाएं खींचना जबकि चुम्बक का उत्तरी ध्रुव पृथ्वी के चुम्बकीय उत्तरी ध्रुव की ओर है।

8 एक छड़ चुम्बक के द्वारा क्षेत्र रेखाएं खींचना जबकि चुम्बक का दक्षिणी ध्रुव पृथ्वी के चुम्बकीय उत्तरीय ध्रुव की ओर है।

9 गेल्वोनोमीटर को दिये गये परास के वोल्टमीटर में रूपान्तरित करना।

10 गेल्वोनोमीटर को दिये गये परास के अमीटर में रूपान्तरित करना।

अंकों का विभाजन

1. स्वच्छ अनुपातिक, दिशा सहित नामांकित चित्र।	1
2. सूत्र/सिद्वान्त/नियम – (सूत्र में प्रयुक्त प्रतीकों को मात्रक सहित न समझाने पर ½ अंक काट लिया जायेगा)।	1
3. प्रेक्षण –(प्रेक्षणों को सही तरीके से नहीं लिखे जाने पर ½ अंक, प्रेक्षण के साथ इकाई न लगाने पर ½ अंक एवं वांछित संख्या में प्रेक्षण न लेने पर अनुपातिक आधार पर काटे जायेंगे।	2
4. गणना– (i) सूत्र में सही मान लिखना (ii) परिणाम प्राप्त करने के लिए अंतिम पद तक सही गणना या ग्राफ बनाकर गणना करना जहां दोनों की आवश्यकता हो अंकों का अनुपातिक रूप से विभाजन किया जायेगा। **(नोटः– यदि गणना न हो तो इसके अंक प्रेक्षण में जोडे)**	2
5. परिणाम या निष्कर्ष।	1
6. सावधानियाँ।	1
योग	**8**

लघु प्रयोग (प्रोजेक्ट कार्य)

1. बहुलमापी (Multimeter) की सहायता से धारा, विभवान्तर व सांतत्यता की जांच करना।
2. दो प्रतिरोधों (कार्बन प्रतिरोध) को श्रेणीक्रम में जोड़ कर परिणामी प्रतिरोध ज्ञात करना। (Multimeter की सहायता से)
3. दो प्रतिरोधों (कार्बन प्रतिरोध) को समान्तर क्रम में जोड़ कर परिणामी प्रतिरोध ज्ञात करना। (Multimeter की सहायता से)
4. विद्युत चुम्बकीय प्रेरण का अध्ययन करना।
5. विभवमापी की सहायता से स्थायी धारा के लिए किसी तार की लंबाई के साथ विभवपात में परिवर्तन का अध्ययन करना।
6. दिये गये परिपथ में त्रुटि को जांचना व सही करना।
7. दिये गये संधि डायोड के सिरों को पहचानना।
8. एक छड़ चुम्बक के चारों तरफ उत्पन्न क्षेत्रीय रेखाओं का अध्ययन करना।
9. प्राथमिक सेल का विद्युतवाहक बल ज्ञात करना।
10. एक दिए गए प्रतिरोध तार के लिए विभवांतर एवं धारा के मध्य ग्राफ खींचना व प्रतिरोध प्रति सेन्टीमीटर ज्ञात करना।

लघु प्रयोग रिकॉर्ड में लिखते समय निम्न बिन्दुओं को लिखेगें –

1. नामांकित चित्र
2. प्रेक्षण मय प्रेक्षण सारणी
3. गणना
4. परिणाम

रसायन विज्ञान
वृहद प्रयोग

1 दिए गए अज्ञात विलयन की नॉर्मलता, सान्द्रता व प्रतिशत शुद्धता अनुमान की सहायता से ज्ञात करना–

(i) अम्ल क्षारक अनुमापन
- (अ) ऑक्सेलिक अम्ल एवं सोडियम हाइड्रॉक्साइड
- (ब) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल एवं सोडियम कार्बोनेट

(ii) रेडॉक्स अनुमापन
- (अ) फेरस अमोनियम सल्फेट एवं पोटेशियम परमैंगनेट
- (ब) ऑक्सेलिक अम्ल एवं पोटेशियम परमैंगनेट
- (स) फेरस अमोनियम सल्फेट एवं पोटेशियम परमैंगनेट

अंकों का विभाजन

1.	उपकरणों का सही उपयोग	2
2.	सही प्रेक्षण सारणी–उपयोग किये गये विलयनों के नाम सहित	2
3.	सन्तुलित रसायनिक समीकरण	1
4.	सूत्र एवं गणना	2
5.	परिणाम (नोट :– 2.0 प्रतिशत से अधिक त्रुटि होने पर ½ अंक काटा जाएगा।)	1
	योग	**8**

2 अकार्बनिक लवणों के मिश्रण का गुणात्मक विश्लेषण एवं एक ऋणायन एवं एक धनायन का क्रमागत विश्लेषण करना

(i) अम्लीय मूलक
(ii) क्षारीय मूलक

अंकों का विभाजन

1.	अम्लीय मूलक	2
	(अ) प्रारम्भिक परीक्षण	2
	(ब) निश्चयात्मक परीक्षण	
2.	क्षारीय मूलक	
	(अ) प्रारम्भिक परीक्षण	2
	(ब) निश्चयात्मक परीक्षण	2
	योग	**8**

3 कार्बनिक यौगिकों में से क्रियात्मक समूह की पहचान करना – (एल्कोहलिक, एल्डीहाइडिक, कीटोनिक, प्राथमिक एमीनो)

अंको का विभाजन

1. भौतिक गुण	1
2. एलिफैटिक / ऐरोमैटिक	1
3. नाइट्रोजन तत्व का परीक्षण	2
4. क्रियात्मक समूह का परीक्षण	2
5. सही क्रियात्मक समूह एवं सही संरचना सूत्र	2
योग	**8**

4 pH10 का बफर विलयन तैयार करना।

अंको का विभाजन

1. सिद्धान्त	3
2. विधि	3
3. सावधानियाँ	2
योग	**8**

लघु प्रयोग (प्रोजेक्ट कार्य)

1 कार्बोहाइड्रेट, वसा व प्रोटीन की जांच करना।
1. भौतिक लक्षण
2. निश्चयात्मक परीक्षण
3. सही पहचान

2 प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक एल्कोहॉल का परीक्षण करना।
1. भौतिक लक्षण
2. निश्चयात्मक परीक्षण
3. सही पहचान

3 अकार्बनिक एवं कार्बनिक यौगिकों का ज्वाला परीक्षण करना
1. भौतिक गुण
2. सही ज्वाला परीक्षण

4 रासायनिक बल गतिकी
(अ.) अभिक्रिया की दर पर ताप का प्रभाव
(ब.) अभिक्रिया की दर पर अभिकारक की सान्द्रता का प्रभाव
1. सिद्धान्त
2. विधि एवं प्रेक्षण
3. परिणाम

5 डेनियल सेल का निर्माण एवं सान्द्रता परिवर्तन का सेल विभवांतर पर प्रभाव।
1. सेल निर्माण
2. सान्द्रता परिवर्तन का सेल विभवांतर पर प्रभाव

जीव विज्ञान

वृहद प्रयोग

1 गुडहल, धतूरा एवं गेंहू के पुष्पीय भाग का अर्द्ध वानस्पतिक भाषा में वर्णन करना। (किसी एक पुष्प का)

अंकों का विभाजन

1.	पुष्प के प्रत्येक भाग का वर्णन	4
2.	पुष्प सूत्र	2
3.	पुष्प चित्र	1½
4.	कुल का नाम	½
	योग	**8**

2 ड्रेसीना, एकाइरेन्थस, निक्टेन्थस एवं बिग्नोनिया के तने का अनुप्रस्थ काट काटकर अस्थाई द्विअभिरंजित स्लाइड बनाना एवं इनकी असंगत द्वितीयक वृद्धि का अध्ययन करना। (किसी भी एक तने का)

अंकों का विभाजन

1.	विधि (Method of slide Prepration)	3
2.	नामांकित चित्र	3
3.	मुख्य बिन्दु द्वितीयक वृद्धि हेतु कोई एक	2
	योग	**8**

3. आलू के परासरण मापी द्वारा परासरण अध्ययन करना।

4. किशमिश द्वारा अन्तः परासरण अध्ययन।

5. चार पत्ती विधि द्वारा वाष्पोत्सर्जन का तुलनात्मक अध्ययन करना।

6. बेलजार विधि द्वारा वाष्पोत्सर्जन का अध्ययन करना।

7. लार परीक्षण–स्टार्च के पाचन पर लारीय एमाइलेज के प्रभाव का अध्ययन।

अंकों का विभाजन

1.	आवश्यक उपकरण	½
2.	सिद्धान्त	2
3.	विधि	2
4.	प्रेक्षण	2
5.	परिणाम	1
6.	सावधानी कोई एक	½
	योग	**8**

8 मानव के विभिन्न अंगों का अध्ययन–अनामांकित चित्रों का नामांकन करना–पाचन तंत्र, श्वसन तंत्र, परिसंचरणतंत्र, उत्सर्जन तंत्र, तंत्रिका तंत्र, नर एवं मादा जनन तंत्र। (किसी भी एक तंत्र का)

अंकों का विभाजन

कोई 8 अंगों के नाम अंकित करने पर 1 x8 =8

9 ग्लूकोज, सुक्रोज व स्टार्च का परीक्षण (कोई एक)

10 वसा व प्रोटीन का परीक्षण (कोई एक)

अंकों का विभाजन

1. भौतिक लक्षण		3
2. निश्चयात्मक परीक्षण (Confirmatory Test)		3
3. सही पहचान		2
	योग	8

लघु प्रयोग (प्रोजेक्ट कार्य)

1 दिए गए पुष्प के अंडाशय का अनुप्रस्थ काट काटकर बीजांडन्यास का अध्ययन करना।

2 सर्पगंधा, हल्दी, अफीम (पोस्त), हींग एवं कुनैन के आर्थिक महत्त्व का अध्ययन करना। (कोई एक)

3 प्रकाश संश्लेषण के दौरान ऑक्सीजन गैस के निकास पर आधारित प्रयोग पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखना (कोई दो प्रश्न)।

4 श्वसन के दौरान कार्बनडाइऑक्साइड के निकास पर आधारित प्रयोग पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखना (कोई दो प्रश्न)।

5 मेंढक की भ्रूणीय अवस्थाओं का अध्ययन–मोरूला या ब्लास्टुला या गेस्टुला।

6 अमीबा या एस्केरिस या परिप्लेनेटा का जीवन चक्र।

7 मानव रक्त की स्लाइड बनाकर रक्त समूह जांच करना।

8 अनामांकित चित्रों को नामांकित करना :–

(अ) मानव अण्डाशय का अनुप्रस्थ काट

(ब) मानव वृषण का अनुप्रस्थ काट